भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3663

उत्तर देने की तारीख 10.08.2026

सांस्कृतिक कूटनीति हेतु राष्ट्रीय रूपरेखा तैयार करना

3663. श्री. जगदम्बिका पाल :

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का भारत की वैश्विक सांस्कृतिक उपस्थिति और सभ्यतागत पहुंच को मजूबत करने के लिए सांस्कृतिक कूटनीति हेतु एक राष्ट्रीय रूपरेखा तैयार करने का विचार है;

(ख) क्या प्रस्तावित रूपरेखा में सांस्कृतिक आदान-प्रदान, अंतर्राष्ट्रीय उत्सवों, संग्रहालय सहयोग, विरासत प्रदर्शनियों, शैक्षणिक साझेदारियों और डिजिटल सांस्कृतिक मंचों का विस्तार करने की परिकल्पना की गई है;

(ग) क्या बहुपक्षीय सांस्कृतिक पहलों और जन-जन के बीच संबंधों (पीपल-टू-पीपल एक्सचेंजेस) में अधिक भागीदारी के माध्यम से भारत के कूटनीतिक जुड़ाव को समर्थन प्रदान करने हेतु यह रूपरेखा प्रस्तावित है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): संस्कृति मंत्रालय वैश्विक भागीदारी स्कीम (जीईएस) के माध्यम से अन्य देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक संबंधों को संवर्धित करता है। यह एक समावेशी स्कीम है जिसका उद्देश्य भारत के अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक भागीदारी और सांस्कृतिक कूटनीति को सुदृढ़ करना है। यह स्कीम संरचित द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग के माध्यम से

भारत की सभ्यतागत विरासत, सांस्कृतिक विविधता और समकालीन रचनात्मक परंपराओं को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान, विरासत संरक्षण, प्रलेखन, क्षमता निर्माण और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संगठनों के साथ सहयोग का समर्थन करती है।

वैश्विक भागीदारी स्कीम में चार घटक शामिल हैं, नामत: अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (आईसीईपी), प्रोजेक्ट मौसम, बृहत्तर भारत और भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और विविध सांस्कृतिक परंपराओं की संरक्षा के लिए स्कीम। अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (आईसीईपी) के अंतर्गत, मंत्रालय भारत महोत्सवों, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, कलाकारों और सांस्कृतिक मंडलियों को विदेशों में भेजने का कार्य करता है तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों (सीईपी), समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और अन्य द्विपक्षीय सांस्कृतिक सहयोग तंत्रों को कार्यान्वित करता है। मंत्रालय के पास वर्तमान में 98 देशों के साथ वैध सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम हैं जिनमें संस्कृति, संग्रहालयों, विरासत, मंच कलाओं और अन्य संबंधित क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक संस्थागत ढांचा का प्रावधान किया गया है। यह स्कीम ब्रिक्स, जी20, एससीओ और बिम्सटेक सहित बहुपक्षीय सांस्कृतिक मंचों में भारत की भागीदारी को भी सुगम बनाती है।

विदेश मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त संगठन, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), विदेशों में भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अपने नेटवर्क के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन और जन-जन के बीच संबंधों को सुदृढ़ करते हुए इन पहलों में सहायता करती है। आईसीसीआर विदेश में प्रस्तुति देने हेतु भारतीय कलाकारों को प्रायोजित करते हुए विदेशों में भारत की विविध संस्कृति को सक्रिय रूप से प्रदर्शित करता है और भारत में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सवों के आयोजन द्वारा कलात्मक आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है जहां विदेशी कलाकारों को प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया जाता है। यह दृश्य कला प्रदर्शनियों का भी आयोजन करता है, भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत को प्रदर्शित करने के लिए 'आर्ट रेजीडेंसी' की मेजबानी करता है, और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सहित विदेशों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अवसरों पर समारोह आयोजित करता है।

*****